



क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>जिलका उत्प्रेषण प्रार्थना पत्र लक्षपत्र किया है। ऐसी स्थिति में यदि प्रार्थना क्र. नं. 1317 को जबरन बंदखत किया गया तो अप्ररणीय सति कारित होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है।</p> <p>अतः प्रार्थना का प्रार्थना पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया जाकर ताकि ललावाद अप्रार्थना को इस आशय से पाबंद किया जाता है कि ख. नं. 1317 रकबा 0.42 है. पर बिना विधिगत प्रक्रिया अपनाए (without due process of court) प्रार्थना को जबरन बंदखत न. क्र. 1317 पत्रावली के तहत खाना होकर दर्ज नम्बर ले कर हो।</p> <p style="text-align: right;">उपखण्ड अधि. निरी उपखण्ड, म. नं. (मु.)</p>